Amar Ujala (07.03.2016)

'मेक इन इंडिया में मीडिया सकारात्मक भूमिका निभाए'

फरीदाबाद। सेक्टर-6 स्थित वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका' विषय पर तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को सम्मेलन के दूसरे दिन 'मेक इन इंडिया में मीडिया की भूमिका' पर परिचर्चा हुई, जिसमें विशेषज्ञों और पत्रकारों ने हिस्सा लिया।

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में चल रहा है सम्मेलन

पहले सत्र में शैक्षणिक संचार निकाय (सीईसी) के निदेशक प्रो. राजबीर सिंह अध्यक्ष के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज के सजक प्रहरी के रूप में कार्य करता है और लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। देश के आर्थिक विकास के दृष्टिगत एक अभियान के रूप में शुरू किए गए मेक इन इंडिया अभियान में मीडिया की भूमिका काफी अहम है। मुख्य वक्ता राजीव कपूर ने कहा कि मेक इन इंडिया का संबंध इनोवेटिव इंडिया से है और विश्वविद्यालय ही नवविचार का प्रमुख केंद्र है।

दूसरे सत्र में परिचर्चा का संचालन केंद्रीय आयुष विभाग के मीडिया सलाहकार रजनीश गर्ग ने किया, जिसमें पत्रकारों ने भी हिस्सा लिया। परिचर्चा में इस बात पर बल दिया गया कि मेक इन इंडिया अभियान को गति देने के लिए मीडिया अपनी सकारात्मक भूमिका निभाए। इस दौरान अनुराग मिश्रा, दिनेश गौतम, अविनाश चंद्रा कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, केसी अरोड़ा और प्रो. अशोक अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

Dainik Bhaskar (07.03.2016)

मेक इन इंडिया की सफलता के लिए अपनी भूमिका तय करें मीडिया: प्रो. सिंह

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी में चल रहे नेशनल सेमिनार के दूसरे दिन मेक इन इंडिया में मीडिया की भूमिका पर चर्चा का आयोजन किया गया। सम्मेलन के पहले सत्र में शैक्षणिक संचार निकाय (सीईसी) के निदेशक प्रो. राजबीर सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि मीडिया समाज के सजग प्रहरी के रूप में कार्य करता है। लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना जाता है। देश के आर्थिक विकास के दृष्टिगत एक अभियान के रूप में शुरू किए गए मेक इन इंडिया अभियान में मीडिया की भूमिका काफी अहम है। उन्होंने कहा देश की एक चौथाई आबादी अशिक्षित है।

फरीदाबाद. आयोजित कार्यक्रम में स्मृति चिंह्न भेंट करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

ऐसे लोगों को अभियान से जोड़ने व जागरूकता के लिए मीडिया ही एक अहम कड़ी है। इसी प्रकार, देश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक माहौल तैयार करने में भी मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। आईएमएसएमई ऑफ इंडिया के अध्यक्ष राजीव चावला ने विज्ञान एवं तकनीक में नवीनतम अनुसंधानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा मीडिया संचार का एक ऐसा माध्यम है जो विभिन्न प्रकार की संचार प्रौद्योगियों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने सुपर कम्प्यूटर से लेकर मोबाइल तकनीक का जिक्र किया। 1970 के दशक में बने सुपर कम्प्यूटर की तुलना में आज का मोबाइल फोन संचार का एक ऐसा माध्यम है। जिसमें इतिहास की अनेक तकनीकों का मिश्रण देखने को मिलता है। उन्होंने सोशल नेटवर्किंग के नए मीडिया माध्यमों का भी जिक्र किया। किस प्रकार मीडिया में भी बदलाव आया है। परिचर्चा का संचालन केन्द्रीय आयुष विभाग मीडिया सलाहकार रजनीश गर्ग ने किया। इसमें मीडिया जगत के जाने माने पत्रकारों ने हिस्सा लिया। परिचर्चा में इस बात पर बल दिया गया है कि देश के आर्थिक विकास में केन्द्र बिन्दु के रूप में देखे जा रहे मेक इन इंडिया अभियान को गति देने के लिए अपनी सकारात्मक भूमिका निभाए।

Hindusthan Hindi (07.03.2016)

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में मेक इन इंडिया पर दूसरे दिन हुआ सेमिनार, मेक इन इंडिया में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण

आधुनिकतम तकनीक पर तय होगा युवाओं का भविष्य

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

इंटीग्रेटिड एसोसिएशन ऑफ माइक्रो स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज (आईएसएसएमई) ऑफ इंडिया के अध्यक्ष राजीव चावला ने कहा कि युवाओं का भविष्य आधुनिकतम तकनीक के उपयोग करने पर ही टिका है। तकनीक के बल पर ही मेक इन इंडिया की सफलता निहित है। तकनीक का उपयोग करते ही कम लागत की गुणवत्तायुक्त उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। इसमें मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए में चल रहे नेशनल सेमीनार के दौरान वक्ता रहे राजीव चावला को कुलपति डॉ कुमार ने स्मृति चिह्न दिया। ● हिन्दुस्तान

चावला रविवार को वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका विषय पर आयोजित किए गए तीन दिवसीय सम्मेलन के दूसरे दिन मीडिया सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिजिटलाइजेशन के युग में प्रतिदिन नए आविष्कार हो रहे हैं। इसके लिए मीडिया को अपनी भूमिका तय करनी चाहिए। मीडिया संचार का एक ऐसा माध्यम है, जो विभिन्न प्रकार की संचार प्रौद्योगियों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने सुपर कंप्यूटर से लेकर मोबाइल तकनीक का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि 1970 के दशक में बने सुपर कंप्यूटर की तुलना में आज का मोबाइल फोन संचार का एक ऐसा माध्यम है, जिसमें इतिहास की अनेक तकनीकों का मिश्रण देखने को मिलता है। सोशल नेटवर्किंग के नए मीडिया माध्यमों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि मीडिया में लगातार बदलाव हुए हैं, तो तकनीक के आधार पर ही परम्परागत उद्योगों का स्वरूप भी बदला है। जो तकनीक को नहीं अपना सके वैसे ही कितने उद्योग बंद हो गए हैं।

शैक्षणिक संचार निकाय (सीईसी) के निदेशक प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि मीडिया समाज का सजग प्रहरी है। इसलिए इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। देश के आर्थिक विकास के दृष्टिगत एक अभियान के रूप में शुरू किए गए मेक इन इंडिया अभियान में मीडिया की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।

Dainik Jagran (07.03.2016)

मेक इन इंडिया में मीडिया की भी है भूमिका

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हुए सेमिनार में विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की ओर से 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन का दूसरा दिन मीडिया की भूमिका पर केंद्रित रहा। विशेषज्ञों ने दो सत्रों में सामाजिक विकास में मीडिया की भागीदारी विषय पर विचार साझा किए। पहले सत्र में शैक्षणिक संचार निकाय (सीईसी) के निदेशक प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि देश के आर्थिक विकास के लिए अभियान के रूप में शुरू किए गए मेक इन इंडिया अभियान में मीडिया की भूमिका काफी अहम है। देश की एक चौथाई आबादी अशिक्षित है, ऐसे लोगों को अभियान से जोड़ने तथा जागरूकता के लिए मीडिया ही एक अहम कड़ी है। देश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक माहौल तैयार करने में भी मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। फरीदाबाद लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष राजीव चावला ने विज्ञान एवं तकनीक में नवीनतम अनुसंधानों के बारे में बताया कि मीडिया ऐसा माध्यम है, जो विभिन्न संचार प्रौद्योगिकी से जुड़ा हुआ है। सम्मेलन के दूसरे सत्र में मेक इन इंडिया में मीडिया की भूमिका पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसका संचालन केंद्रीय आयुष विभाग मीडिया सलाहकार रजनीश गर्ग ने किया। दैनिक जागरण फरीदाबाद के मुख्य संवाददाता बिजेंद्र बंसल ने कहा कि देश के आर्थिक विकास में केंद्र बिंदु के रूप में देखे जा रहे मेक इन इंडिया अभियान को गति देने में मीडिया सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। शिक्षाविद किरण कौशल ने सूचना-प्रौद्योगिकी पर आधारित सोशल मीडिया को क्रांतिकारी बदलाव बताते हुए कहा कि मीडिया का दायरा बढ़ा है और इसके साथ मीडिया की जिम्मेदारी भी बढ़ी है। वरिष्ठ पत्रकार अनुराग मिश्रा ने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को माना तथा कहा कि संचार प्रौद्योगिकी में आए बदलावों से मीडिया की जवाबदेही बढ़ी है। समाचारों पर पाठकों की सीधी प्रतिक्रिया मिल जाती है। वरिष्ठ पत्रकार दिनेश गौतम ने समाचार पत्र एवं न्यूज चैनल पर जो कुछ भी प्रकाशित या प्रदर्शित किया जाता है, वह पाठकों की रूचि अनुसार ही होता है। चैनल्स या समाचार पत्रों की लोकप्रियता पाठकों एवं दर्शकों पर निर्भर करती है। ई-मैगजीन के संपादक अविनाश चंद्रा ने कहा कि मीडिया को व्यावहारिक होना होगा। हर खबर को उसकी वैल्यू के अनुसार जगह मिलनी चाहिए। सत्र की अध्यक्षता समाजसेवी डॉ. केसी अरोड़ा तथा कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. अशोक अग्रवाल ने की।

वाईएमसीए विश्वविद्याल में 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका' विषय पर आयोजित सेमिनार के दूसरे सत्र में उपस्थित मीडिया प्रतिनिधि। जागरण

वाईएमसीए विश्वविद्यालय की ओर से 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका' विषय पर आयोजित सेमिनार के पहले सत्र में उद्योगपति राजीव चावला को स्मृति चिन्ह प्रदान करते कुलपति डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल। जागरण

मेक इन इंडिया की सफलता के लिए अपनी भूमिका तय करें मीडिया

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन का दूसरा दिन मीडिया की भूमिका पर केन्द्रित रहा, जिसमें मीडिया जगत के विभिन्न विशेषज्ञों मेक इन इंडिया अभियान की सफलता के लिए मीडिया की भूमिका को लेकर अपने विचार साझे किये।

सम्मेलन के पहले सत्र में शैक्षणिक संचार निकाय (सीईसी) के निदेशक प्रो राजबीर सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि मीडिया समाज के सजक प्रहरी के रूप में कार्य करता है और लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना जाता है। देश के आर्थिक विकास के दृष्टिगत एक अभियान के रूप में शुरू किये गये मेक इन इंडिया अभियान में मीडिया की भूमिका काफी अहम है। उन्होंने कहा कि देश की एक चौथाई आबादी अशिक्षित है

और ऐसे लोगों को अभियान से जोड़ने तथा जागरूकता के लिए मीडिया ही एक अहम कड़ी है। इसी प्रकार, देश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक माहौल तैयार करने में भी मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद फरीदाबाद लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष श्री राजीव चावला ने विज्ञान एवं तकनीक में नवीनतम अनुसंधानों पर बोलते हुए कहा कि मीडिया संचार का एक ऐसा माध्यम है, जो विभिन्न प्रकार की संचार प्रौद्योगियों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने सुपर कम्प्यूटर से लेकर मोबाइल तकनीक का जिक्र किया और कहा कि 1970 के दशक में बने सुपर कम्प्यूटर की तुलना में आज का मोबाइल फोन संचार का एक ऐसा माध्यम है, जिसमें इतिहास की अनेकों तकनीकों का मिश्रन देखने को मिलता है। उन्होंने सोशल नेटवर्किंग के नये मीडिया माध्यमों का भी जिक्र किया और बताया कि किस प्रकार मीडिया में भी बदलाव आया है। युवाओं का भविष्य की नवीन तकनीक का निर्माता बताते हुए श्री चावला ने बताया कि डिजिटलाइजेशन के युग में नित नये आविष्कारों से किस प्रकार से परम्परागत उद्योगों का स्वरूप बदला और कितने ही पुराने उद्योग बंद हो गये है। सूचना-प्रौद्योगिकी और डिजिटल इंडिया के दौर में देश के आर्थिक विकास के लिए तकनीकीविदों पर सस्ती तकनीक ईजात करने की बड़ी जिम्मेदारी है। सम्मेलन के दूसरे सत्र में मेक इन इंडिया में मीडिया की भूमिका पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा का संचालन केन्द्रीय आयुष विभाग मीडिया सलाहकार श्री रजनीश गर्ग ने किया, जिसमें मीडिया जगत के जाने माने पत्रकारों ने हिस्सा लिया। परिचर्चा में इस बात पर बल दिया गया है कि देश के आर्थिक विकास में केन्द्र बिन्दू के रूप में देखे जा रहे मेक इन इंडिया अभियान को गति देने के लिए अपनी सकारात्मक भूमिका निभाये। शिक्षाविद् श्रीमती किरण कौशल ने सूचना-प्रौद्योगिकी पर आधारित सोशल मीडिया को क्रांतिकारी बदलाव बताते हुए कहा कि मीडिया का दायरा बढ़ा है और इसके साथ मीडिया की जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परिचर्चा में अन्य मीडिया विशेषज्ञों ने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को माना तथा कहा कि संचार प्रौद्योगिकी में आये बदलावों से मीडिया की जवाबदेही बढ़ी है क्योंकि समाचारों पर पाठकों की सीधी प्रतिक्रिया मिल जाती है। मीडिया विशेषज्ञों ने यह भी माना कि मेक इन इंडिया की सफलता के लिए मीडिया को भी अपनी भूमिका तय करने की जरूरत हैं।